5

पोस्टर निर्माण

लक्ष्य

पोस्टर आधुनिक जीवन का एक हिस्सा है, इसलिए किसी भी संदेश को पोस्टर के माध्यम से अच्छी तरह से संप्रेषित किया जा सकता है। पोस्टर निर्माण हमेशा संप्रेषण के लिए एक उपयोगी माध्यम है।

परिचय

पोस्टर शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में, कहीं भी देखे जा सकते हैं। यह जनता से संवाद करने का एक बेहद लोकप्रिय माध्यम है। पोस्टर सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और व्यक्तिगत हर तरह के संदेश देते हैं। उत्पादों का भी विज्ञापन पोस्टरों के माध्यम से किया जाता है। वर्तमान समय में पोस्टर निर्माण लोकप्रिय गतिविधियों में से एक है। हालाँकि, इस कला को सीखकर एक पेशेवर पोस्टर निर्माता बनना आवश्यक नहीं है। पोस्टर-निर्माण किसी व्यक्ति को अभिव्यक्त करने वाला और बहिर्मुखी बनने में मदद कर सकता है। पोस्टर बनाने के लिए अधिक वस्तुओं और सामग्रियों की आवश्यकता नहीं होती है। एक पोस्टर बनाने के लिए एक शीट या कागज, स्याही, रंग और ब्रश पर्याप्त होते हैं।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- विभिन्न प्रकार के पोस्टरों के बीच अंतर कर सकेंगे;
- पोस्टर निर्माण के मूल गुणों की व्याख्या कर सकेंगे;
- ग्राफिक्स और अक्षरों के फॉन्ट का उपयोग कर सकेंगे;
- पोस्टरों में संकेतों और प्रतीकों का उपयोग कर सकेंगे;
- संप्रेषण की अवधारणा विकसित कर सकेंगे;
- विविध रंगों के प्रभाव को जान सकेंगे।

टिप्पणियाँ

पोस्टर 1: स्थान से संबंधित विषय वाला पोस्टर

पोस्टर डिजाइन करने की विधि

1. किसी भी चीज को पोस्टर या विज्ञापन बनाने के लिए सबसे पहले हमें उस विषय की संकल्पना अपने मन में करनी होगी; सबसे पहले विषय का एक मोटा खाका अपने मन में तैयार करें। फिर हम इसे कागज पर बनाना शुरू करें। जैसा कि नीचे चित्र 5.1 में दर्शाया गया है। विषय 'पधारो म्हारे देश' है, जो राजस्थान से संबंधित विषय है, इसलिए चित्रण तदनुसार करना होगा। वर्तमान चित्र में, मूंछों और राजस्थानी पगड़ी के साथ एक राजस्थानी व्यक्ति को देखा जा सकता है। इसके नीचे रेत पर राजस्थानी मेले का दृश्य देखा जा सकता है। बीच में एक आदमी को ऊँट के साथ दिखाया गया है। उनके सामने एक राजस्थानी महिला सिर पर मटका उठाए कुछ जानवरों के साथ चल रही है, ड्राइंग पूरी होने के बाद इसमें रंग भरने की आवश्यकता है। (चित्र 5.1 देखें)

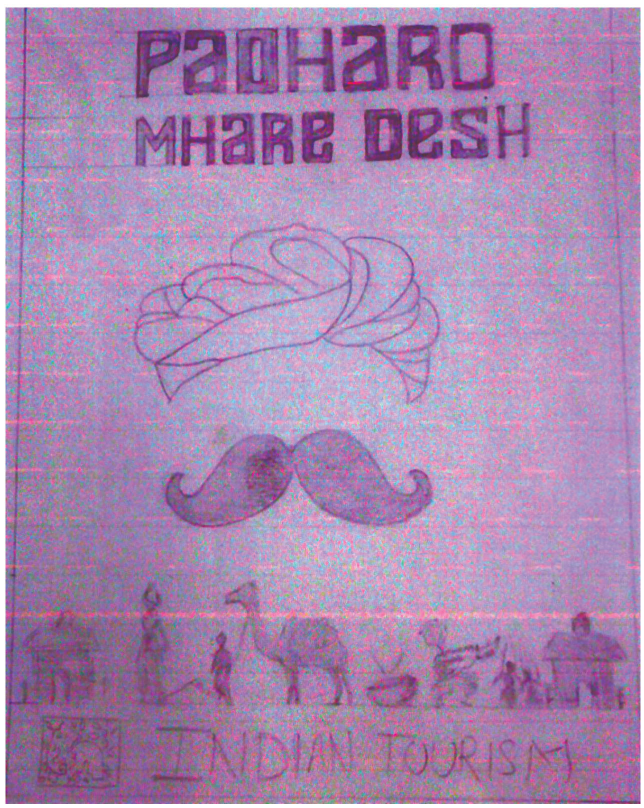

चित्र 5.1

2. आमतौर पर, पोस्टर रंगों का उपयोग ऐसे विषयों के लिए किया जाता है क्योंकि वे पारदर्शी नहीं होते हैं तथा इस उद्देश्य के लिए उपयुक्त होते हैं और अच्छी प्रस्तुति देते हैं। उदाहरण के लिए, दूसरे चित्र में आप देख सकते हैं कि पहले चित्र का बैकग्राउंड पीले रंग से भर दिया गया है। एक बार जब पृष्ठभूमि रंगीन हो जाती है, तो शेष चित्र रंग से भरा जाता है। (चित्र 5.2 देखें)

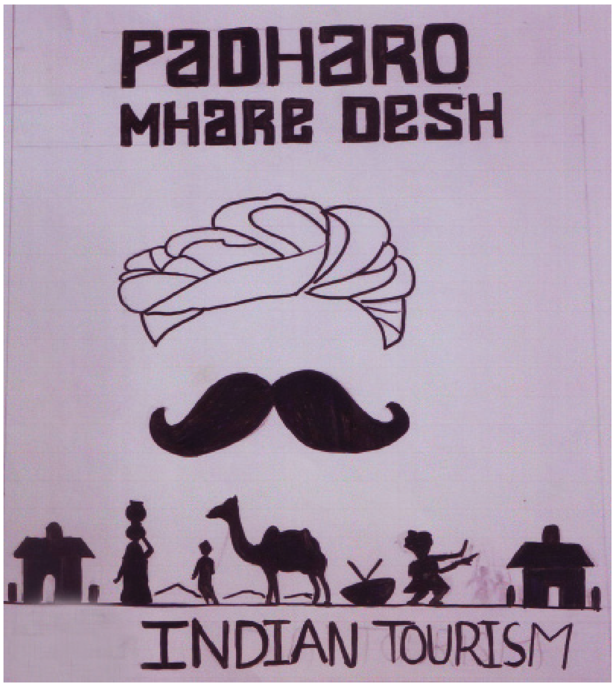

चित्र 5.2

3. ड्राइंग को सपाट रंग से भरने के बाद, टोन और टेक्सचर के माध्यम से विवरण दिया जाता है। इससे चित्र में स्पष्टता आती है। जैसे चित्र 5.3 में दिखाया गया है।

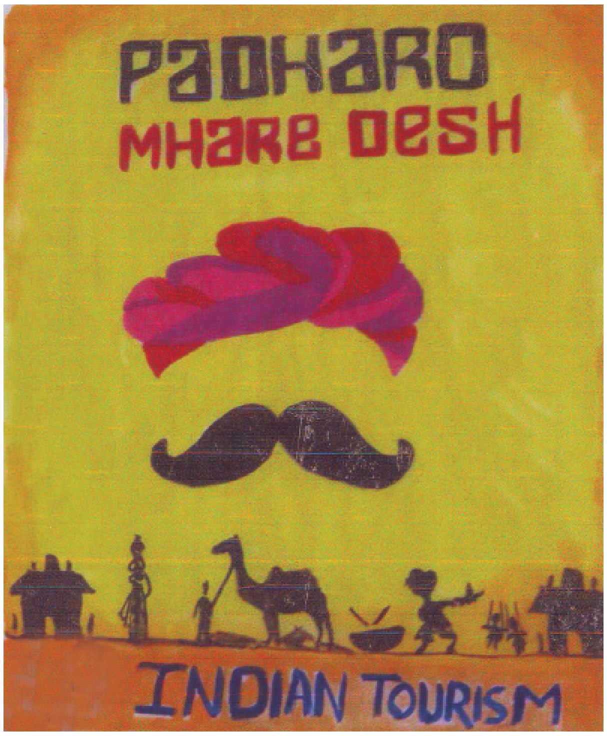

चित्र 5.3

टिप्पणियाँ

4. एक बार चित्रण पूरा हो जाने पर, चौथा चरण अक्षर लिखने हैं। जैसा कि नीचे दिए गए चित्र 5.4 से देखा जा सकता है। शीर्षक के रूप में 'पधारो म्हारे देश' लिखा हुआ है। चूँकि यह भारतीय पर्यटन का पोस्टर है, इसलिए नीचे दिए गए लोगो में भारतीय पर्यटन (Indian Tourism) लिखा हुआ है।

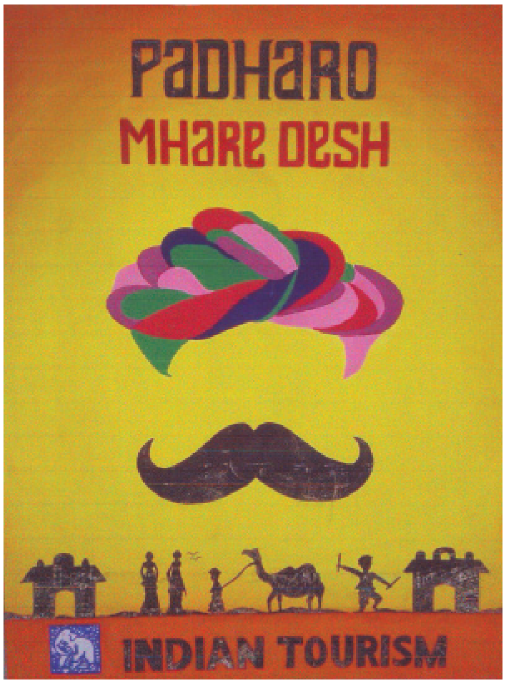

चित्र 5.4

पोस्टर 2: कला एवं संस्कृति से संबंधित पोस्टर

पोस्टर डिजाइन करने की विधि

1. सबसे पहले, अपने मन में विषय वस्तु की संरचना की अवधारणा बनाएँ। फिर, एक पेंसिल का उपयोग करके इसकी रूपरेखा बनाएँ। जैसा कि आप चित्र में देख सकते हैं कि यहाँ केरल राज्य के 'कथकली' नाम से प्रसिद्ध नृत्य का चित्रण दिखाया गया है। चित्रण में केरल की पारंपरिक टोपी पहने हुए एक औरत को दिखाया गया है, जिसे देखकर हमारे मन में केरल के कथकली नृत्य का ख्याल आता है और ऐसा लगता है कि यह पोस्टर केरल के कथकली नृत्य से संबंधित है। (चित्र 5.5 देखें)

2. स्केच पूरा करने के बाद, कलाकार ने पृष्ठभूमि के लिए पीले और हरे रंग के मिश्रण का उपयोग किया। ऊपर की ओर पट्टी के रूप में गहरे हरे रंग का प्रयोग किया गया है। चेहरे पर सपाट हरा रंग और सिर के पहनावे में सपाट गहरे नारंगी रंग का प्रयोग किया गया है। (चित्र 5.6 देखें)

3. इसके बाद चेहरे को पूरा करने के लिए हरे रंग के अलग-अलग टोन का इस्तेमाल किया गया है। नाटकीय प्रभाव देने के लिए आँखों को काला रंग दिया गया है क्योंकि वे नृत्य

के दौरान विभिन्न भाव-भंगिमाएँ उत्पन्न करती हैं। मस्तक को पीले रंग से भरा गया है। जिस पर लाल पट्टी और सफेद कुमकुम है। सिर के पहनावे को हल्के लाल रंग से, उसके बाद गहरे लाल रंग से भरा गया है। सिर के पहनावे के मध्य क्षेत्र में प्रभामंडल (गोलाकार) के रूप में उपयोग किया गया गहरा हरा रंग सुंदर दिखता है। चेहरे के होठों पर मध्यम गुलाबी रंग सौंदर्यपूर्ण लगता है। (चित्र 5.7 देखें)

चित्र 5.5

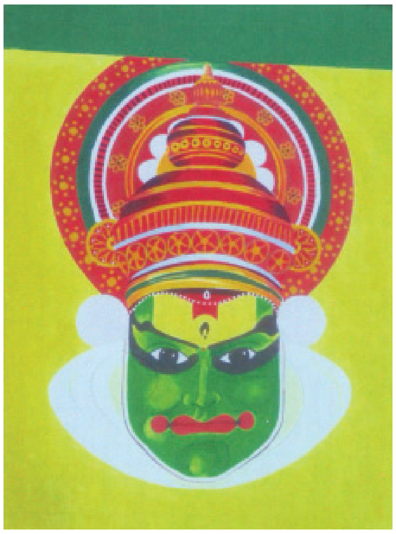

चित्र 5.6

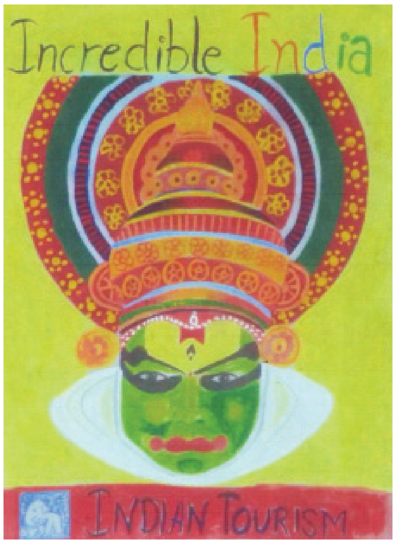

चित्र 5.7

चित्र 5.8

4. चित्रण पूरा करने के बाद शीर्ष भाग की गहरे हरे रंग की पट्टी पर 'अतुल्य भारत' शीर्षक लिखा हुआ है जो सुंदर दिखता है। चूँकि यह पोस्टर पर्यटन विभाग का है, इसलिए निचले हिस्से में हाथी का लोगो और उसके साथ 'भारतीय पर्यटन' लिखा हुआ है। शीर्ष पर हरी पट्टी से भारतीय पर्यटन (Indian Tourism) लिखा गया है, इसलिए दोनों सिरों के बीच संतुलन है। अब, पोस्टर तैयार है। चित्र 5.8 देखें)

पोस्टर 3: उत्पाद से संबंधित पोस्टर

पोस्टर डिजाइन करने की विधि

यहाँ हम एक उत्पाद से संबंधित पोस्टर बनाने पर चर्चा करेंगे। उत्पाद का नाम 'क्लासिक बटर' है। नीचे दिए गए चित्र में पेंसिल से बना मक्खन का एक पैकेट दर्शाया गया है। इसके नीचे बायीं ओर पैकेट से मक्खन निकला हुआ दिखाया गया है, दाहिनी ओर ब्रेड का एक टुकड़ा जिस पर मक्खन लगाया गया है दिखाया गया है। यहाँ यह बताने की कोशिश की जा रही है कि अगर ब्रेड के टुकड़े पर मक्खन लगाकर खाया जाए तो वह स्वादिष्ट लगता है। (चित्र 5.9 देखें)

चित्र 5.9

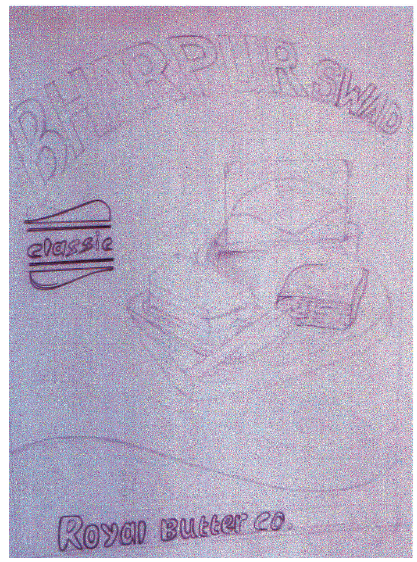

चित्र 5.10

चित्र 5.11

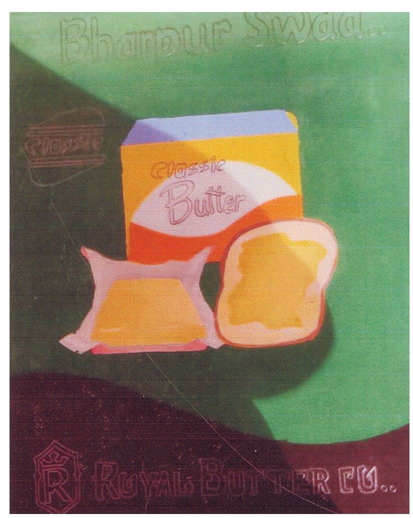

चित्र 5.12

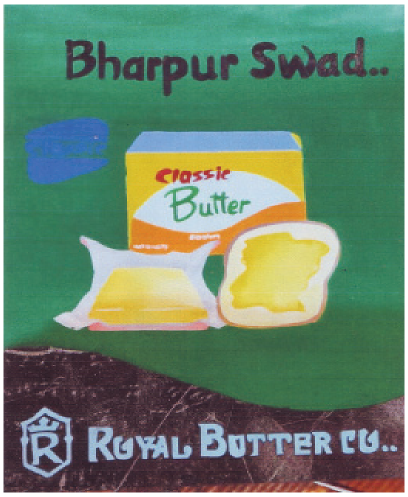

चित्र 5.13

चित्र 5.14

दूसरे चरण चित्र में देखा जा सकता है कि उत्पाद में सपाट रंग भर दिया गया है। (चित्र 5.10 देखें)

तीसरे चरण के चित्र से पता चलता है कि पृष्ठभूमि को हरे रंग से भर दिया गया है। फिर ऊपरी ओर निचले हिस्से को काले रंग से भर दिया जाता है। उत्पाद का रंग टोनिंग और टेक्सचरिंग द्वारा पूरा किया जाता है। (चित्र 5.11 देखें)

चौथे चरण में पोस्टर में अक्षर लिखने हैं। जैसा कि चित्र में देखा जा सकता है कि सबसे ऊपर 'भरपूर स्वाद' शीर्षक लिखा हुआ है। इसे पढ़ने के बाद, हम इस बात को लेकर उत्सुक होते हैं कि यह स्वादिष्ट स्वाद देता है। चित्रण देखने पर पता चलता है कि यह क्लासिक बटर है (चित्र 5.11 देखें)। पोस्टर के नीचे कंपनी का लोगो और नाम दिया गया है। अब पोस्टर तैयार है। (चित्र 5.12 देखें)

पाठांत प्रश्न

दिए गए विषयों पर पोस्टर बनाएँ :

1. वृक्षारोपण
2. प्रौढ़ शिक्षा
3. स्वच्छ भारत, सुंदर भारत
4. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ